अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विशेष

''कन्याओं की सुरक्षा'' पर जारी होगा विशेष आवरण

बीदासर, 7 मार्च।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल भारतीय डाक विभाग के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ''कन्याओं की सुरक्षा'' पर विशेष आवरण जारी कर रहा है।

मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सौभाग बैद ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल सशक्त नारी–सशक्त सृष्टि के अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए देशभर में अपनी 366 शाखाओं एवं 55 हजार से अधिक महिला सदस्यों के द्वारा कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम के लिए सघन अभियान चलाये हुए है। मंडल अपनी प्रमुख योजना ''बेटी बचाओं'' के तहत व्यापक कार्य कर रही है। इसी को मध्येनजर रखते हुए भारतीय डाक विभाग ने मंडल द्वारा तैयार विशेष आवरण को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जारी करने का निश्चय किया है।

मंडल की महामंत्री श्रीमती वीणा बैद ने बताया कि 8 मार्च को बीदासर के तेरापंथ भवन में आचार्य श्री महाप्रज्ञ के सान्निध्य में '' करनी है जीवन की रक्षा– कन्याओं की करो सुरक्षा'' पर विशेष आवरण जारी होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय डाक विभाग के राजस्थान पश्चिम क्षेत्र के पोस्टल सर्विसेज डायरेक्टर डॉ. सचिन मित्तल होंगे। कार्यक्रम के विशेष अतिथि फीलातलीक सोसायटी ऑफ राजस्थान के महामंत्री श्री राजेश पहाड़िया होंगे।

श्रीमती बैद ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल कन्याओं को बचाने के लिए विशेष पोस्टर भी जारी कर रहा है। इनमें ''मैं हूं हंसता–खिलता बसंत– क्यों करते हो मेरा ''मैं नहीं तो संसार नहीं–जीने का आधार नहीं'' फिर क्यों, मारते हो मुझे ?, ''मैं ममता की मूरत– है दुनिया मुझसे खूबसूरत'' फिर क्यों मारते हो मुझे ? आदि विशेष आकर्षित स्लोगनों से पूरी दुनिया का ध्यान बेटी बचाओं की ओर आकर्षित किया गया है।

श्रीमती बैद ने यह भी बताया कि 8 मार्च को ही पूरे देश में महिला सशक्तीकरण की दिशा में सभी शाखा मंडल अपने अपने क्षेत्र में संस्कार निर्माण एवं कैरियर के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करनी वाली महिलाओं का सम्मान करेंगी। इसके साथ ही देशभर में रैलियॉ, महिला सेमीनार व डाक्टर्स सेमीनार आयोजित करके मातृत्व की गरिमा को उजागर किया जायेगा।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आचार्य महाप्रज्ञ का संदेश

बीदासर, 7 मार्च।

राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञन ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि मैं नारी और पुरुष और पुरुष को अलग–अलग दृष्टि से नहीं देखता। मेरी दृष्टि में कोई पुरुष ऐसा नहीं, जिसमें नारी तत्व न हो और कोई भी नारी ऐसरी नहीं, जिसमें पुरुष तत्व न हो। प्रकृति ने भी ऐसी व्यवस्था की है और हमारे शरीर की संरचना भी ऐसी है कि नारी और पुरुष दोनों के अंश विद्यमान हैं। नारी तत्व ज्यादा है तो वह संपूर्ण नारी है और पुरुष तत्वों की अधिकता हो तो वह सम्पूर्ण पुरुष है।

योग के आचार्यों ने मानव शरीर के दो भाग बताए है – दायां भाग पिंगला, जो पुरुष का भाग है बायां भाग इड़ा, जो नारी का भाग है। आज समानता की बात कही जाती है। नारी किसी भी दृष्टि से पुरुष से कमजोर नहीं है, न्यून नहीं है। इसलिए सरकारी विभाग में नारी और पुरुष में भेदभाव नहीं किया जाता। पहले अध्यापिका, क्लर्क, डॉक्टर और नर्स तक ही उसकी सीमा थी। आज नारी सुरक्षा बलों में और सेना में भी जा रही है। इन सब उपलब्धियों और योग्यताओं के बावजूद मेरा यह मानना है कि महिला का सबसे बड़ा गौरव 'मां' बनी रहने में है।

करूणा और वात्सल्य ये दो ऐसे गुण हैं जो नारी को उसकी सही अर्थवत्ता प्रदान करते हैं।

संतान को संस्कारी करना एक मां का महत्त्वपूर्ण कार्य होता है। संतान का संबंध जितना मां के साथ होता है, उतना पिता के साथ नहीं होता। संतान में अच्छे संस्कारों का आरोपण मां का सहज स्वीकृत दायित्व है। अपने इस दायित्व के प्रति जागरूक रहने वाली 'मां' का मातृत्व बन जाता है।

आज अपेक्षा है – मां अपने मातृत्व की महत्ता को पहचाने, उसे प्रबुद्ध बनाए। प्रबुद्ध मातृत्व समाज एवं देश के शुभ भविष्य की आधारशिला बन सकता है। इस चिंतन की व्यापकता में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की सार्थकता निहित है।

विशेष :

बीदासर, 7 मार्च।

मुनि विमलकुमारजी, मुनि मधुरकुमारजी, मुनि धन्य कुमारजी ने आज (7 मार्च) प्रातः 8.30 बजे तेरापंथ भवन पचपदरा (सिवांची–मालाणी) की ओर विहार किया।

8 मार्च को मुनि सुरेश कुमारजी, मुनि संबोध कुमारजी, मुनि विनयरूचिजी राजनगर (राजसमंद) की ओर विहार करेंगे तथा मुनि राजकरणजी, मुनि सुबाहुकुमारजी, मुनि पूर्णानन्दजी, मुनि पीयुषकुमारजी रतनगढ़ की ओर विहार करेंगे, इसी दिन मुनि गिरीश कुमारजी मेवाड़ की ओर विहार होगा।

– अशोक सियोल
99829 03770